**धूम्र वाराही मन्त्र**

**1.विनियोगः**

**अस्य श्री धूम्र वाराही महामन्त्रस्य ।कालमृत्यु ऋषिः ।बृहती छन्दः ।श्री शत्रुमारणरूपिणी धूम्रवाराही देवता ।धूँ बीजं ।हुँ शक्तिः ।ॐ कीलकं ।मम धूम्र वाराही प्रसाद सिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः ॥**

**2.कर न्यास**

1 **ॐ धूँ धूँ मृत्युधूमे अङ्गुष्ठाभ्यं नमः**
2 **ॐ धूँ धूँ कालधूमे तर्जनीभ्यां नमः**
3 **ॐ धूँ धूँ मध्यमाभ्यां नमः**
4 **ॐ धूम्रवाराहि अनामिकाभ्यां नमः**
5 **ॐ हुँ फट् कनिष्टिखाभ्यां नमः**
6 **ॐ स्वाहा करतलकर पृष्ठाभ्यां नमः**
7 **इति कर न्यासः**

**3.षडङ्ग न्यास**

1 **ॐ धूँ धूँ मृत्युधूमे हृदयाय नमः**
2 **ॐ धूँ धूँ कालधूमे शिरसे स्वाहा**
3 **ॐ धूँ धूँ शिखायै वषट्**
4 **ॐ धूम्रवाराहि कवचाय हुं**
5 **ॐ हुँ फट् नेत्रत्रयाय वौषट्**
6 **ॐ स्वाहा अस्त्राय फट्**
7 **इति षडङ्ग न्यासः**
**भूर्भुवस्सुवरोमिति दिग्बन्धः॥**

**4.ध्यानम्**

**नमस्ते धूम्रवाराहि वैरिप्राणापहारिणि ।**
**गोकण्ठमिव शार्धूलो गजकण्ठं यथाहरिः ॥**
**पिब रक्तं च देवेशि आशलमाम्सं च भक्षय ।**
**पशून् ददामि ते शत्रून्वन्दे त्वां शत्रुरूपिणि ॥**

**5. Pañcapūjā ( पञ्चपूजा ) :-**

1 **लँ - पृथिव्यात्मिकायै गन्धं समर्पयामि।**
2 **हँ - आकाशात्मिकायै पुष्पैः पूजयामि।**
3 **यँ - वाय्वात्मिकायै धूपमाघ्रापयामि।**

4 रँ - अग्न्यात्मिकायै दीपं दर्शयामि।
5 वँ - अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं निवेदयामि।
6 सँ - सर्वात्मिकायै सर्वोपचार पूजाम् समर्पयामि॥

**6.जपमाला मन्त्रं**

**ॐ मां माले महामाये सर्वमन्त्र स्वरूपिणि।**
**चतुर्वर्ग स्त्वयिन्यस्त स्तस्मान्ये सिद्धिदा भव॥**

**7.गुरु मन्त्र**
**ॐ ह्रीं सिद्धगुरो प्रसीद ह्रीं ॐ**

**8.सप्तदसाक्षरि मन्त्र**

**ॐ धूँ धूँ मृत्युधूमे धूँ धूँ कालधूमे धूँ धूँ धूम्रवाराही हूँ फट् स्वाहा ॥**

**9.षडङ्ग न्यास**

1 **ॐ धूँ धूँ मृत्युधूमे हृदयाय नमः**
2 **ॐ धूँ धूँ कालधूमे शिरसे स्वाहा**
3 **ॐ धूँ धूँ शिखायै वषट्**
4 **ॐ धूम्रवाराहि कवचाय हुं**
5 **ॐ हुँ फट् नेत्रत्रयाय वौषट्**
6 **ॐ स्वाहा अस्त्राय फट्**
7 **इति षडङ्ग न्यासः**
**भूर्भुवस्सुवरोमिति दिग्विमोकः॥**

**10.ध्यानम्**

**नमस्ते धूम्रवाराहि वैरिप्राणापहारिणि ।**
**गोकण्ठमिव शार्धूलो गजकण्ठं यथाहरिः ॥**
**पिब रक्तं च देवेशि आशलमाम्सं च भक्षय ।**
**पशून् ददामि ते शत्रून्वन्दे त्वां शत्रुरूपिणि ॥**

**11.पञ्चपूजा**

1 **लँ - पृथिव्यात्मिकायै गन्धं समर्पयामि।**
2 **हँ - आकाशात्मिकायै पुष्पैः पूजयामि।**
3 **यँ - वाय्वात्मिकायै धूपमाघ्रापयामि।**
4 **रँ - अग्न्यात्मिकायै दीपं दर्शयामि।**

5 वँ - **अमृतात्मिकायै अमृतं महानैवेद्यं निवेदयामि।**
6 सँ - **सर्वात्मिकायै सर्वोपचार पूजाम् समर्पयामि॥**

**12.समर्पणम्**

**गुह्यातिगुह्यगोप्त्री त्वं गृहाणास्मात्कृतं जपम्।**
**सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वत्प्रसादान्मयि स्तिरा॥**

**13.जपानंतरं मालामन्त्रं**

**श्लोक॥**
**ॐ त्वं माले सर्वदेवानां प्रीतिदा शुभदा भव।**
**शुभं कुरुष्य मे भद्रे यशो वीर्यं च देहिमे॥**

**मन्त्र॥**
**ॐ ह्रीं सिद्ध्यै नमः॥**